महावीर दया करके | By Riyaz Hindustani

महावीर दया करके चरणों में बिठा लेना
महावीर दया करके चरणों में बिठा लेना
प्रभु ज्ञान का दीप मेरे अंतर्मन में जगा देना
महावीर दया करके चरणों में बिठा लेना

जो आया शरण तेरी उसको है दिया शरणा
ये रीत पुरानी है नहीं दूर इसे करना
जो बाग़ लगाया है फूलों से सजा देना
महावीर दया करके चरणों में बिठा लेना

श्रग्धा ले स्वमं स्वामी चरणों में तेरे अर्पण
है आया द्वार तेरे देदो स्वामी दर्शन
दो बूँद सुधा रास की हमको भी पिला देना
महावीर दया करके चरणों में बिठा लेना

दुनिया के अँधेरे में मैं भटक रहा कबसे
तुम दूर करो भगवन विनती है मेरी तुमसे
अब तँवर करे विनती प्रभु अपना बना लेना
महावीर दया करके चरणों में बिठा लेना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a5%80%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%95%e0%a5%87-by-riyaz-hindustani/